मथुरा-दिल्ली-अम्बाला-जलंधर उत्पाद पाइपलाइन पर होने वाला व्यय

2971. **श्री निहाल सिंह** : क्या पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मथुरा-दिल्ली-अम्बाला-जलंधर उत्पाद पाइप लाइन का सर्वे आफ इंडिया द्वारा सर्वेक्षण किया गया था; और

(ख) यदि हां, तो इन पाइप लाइनों के बिछाये जाने में कितनी धनराशि खर्च होगी और क्या उनका काम निर्धारित समय में पूरा हो जायगा ।

पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री दलबीर सिंह): (क) जी, हां ।

(ख) मथुरा-दिल्ली-अम्बाला-जलंधर उत्पाद पाइप लाइन पर 50 करोड़ रुपए की लागत का अनुमान है । वर्तमान प्रगति के अनुसार आशा है कि पाइप-लाइनों के बिछाने का कार्य निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पूरा हो जायेगा ।

भारतीय तेल निगम और भारत पेट्रोलियम द्वारा गैस एजेंसियों का आवंटन

2972. **श्री अशोक गहलोत** : क्या पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारत पैट्रोलियम और भारतीय तेल निगम ने गैस वितरण एजेंसियों का आवंटन करने के लिये वर्ष 1980 में कई बार देश के विभिन्न भागों में बेरोजगार स्नातकों, अनुसूचित जातियों, भूतपूर्व सैनिकों और विकलांग व्यक्तियों से आवेदन पत्र मांगे थे;

(ख) यदि हां, तो गत वर्ष के दौरान, राज्य-वार देश के कितने स्थानों में ऐसे आवेदन पत्र मांगे गये थे और तत्संबंधी पूरा ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार चयन के मामले में किसी प्रकार के भ्रष्टाचार को न होने देने को सुनिश्चित करने के लिए पर्ची निकालने के जरिए भारत गैस पैट्रोलियम और भारतीय तेल निगम की गैस ऐजेंसियों का आवंटन करने के लिए पात्र उम्मीदवारों के चयन के प्रश्न पर विचार करेंगी ;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी रूपरेखा क्या है; और

(ङ) यदि नहीं, तो उस के क्या कारण हैं ?

पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री प्रकाश चन्द्र सेठी) : (क) जी, हां । भारत पैट्रोलियम कारपोरेशन तथा इंडियन आयल कारपोरेशन ने देश के विभिन्न स्थानों में बेरोजगार इंजीनियरों—स्नातकों (यू.ई.जी.) अनुसूचित जातियों (एस. सी.), अनुसूचित जन जातियों, शारीरिक रूप से विकलांग (पी. एच.) तथा युद्ध में अपंग हुए सुरक्षा कार्मिक तथा युद्ध में मारे गए सैनिकों की विधवाओं (डी. डी. पी.) के लिए सुरक्षित खाना पकाने की गैस की डिस्ट्रीब्यूटरशिपों के लिए वर्ष 1980–81 के दौरान समाचार पत्रों में विज्ञापन दे कर वांछनीय उम्मीदवारों से आवेदन-पत्र आमंत्रित किए थे ।

(ख) अपेक्षित सूचना संलग्न विवरण-पत्र में दी गई है ।

(ग) जी, नहीं ।

(घ) उपर्युक्त (ग) के संदर्भ में प्रश्न नहीं उठता ।

(ङ) वर्तमान प्रक्रिया संतोषजनक समझी गई है ।

विवरण-पत्र

वर्ष 1980–81 के दौरान आई० ओ० सी० तथा बी० पी० सी० द्वारा विज्ञापित गैस एजेंसियां

राज्य का नाम	कम्पनी	यू०ई० जी०	एस०सी०	एस०टी०	डी०डी० पी०	पी०एच०	योग
1	2	3	4	5	6	7	8
गोवा	बी० पी० सी०	..	1	..	..	..	1
दिल्ली	बी० पी० सी०	..	4	..	1	1	6
	आई० ओ० सी०	4	2	..	1	1	8
महाराष्ट्र	बी० पी० सी०	3	1	1	1	..	6
गुजरात	बी० पी० सी०	1	1	1	..	2	5
	आई० ओ० सी०	3	1	2	1	1	8
आंध्र प्रदेश	बी० पी० सी०	1	1	2	..	1	5
	आई० ओ० सी०	..	1	..	..	..	1
मध्य प्रदेश	बी० पी० सी०	1	..	..	..	..	1
	आई० ओ० सी०	2	1	4	1	2	10
हरियाणा	बी० पी० सी०	1	1	..	..	..	2
	आई० ओ० सी०	2	2	..	1	1	6
कर्नाटक	बी० पी० सी०	1	4	..	..	1	6
	आई० ओ० सी०	..	1	..	..	..	1
पंजाब	बी० पी० सी०	1	2	..	1	2	6
	आई० ओ० सी०	2	2	..	..	..	4
राजस्थान	बी० पी० सी०	..	..	1	..	..	1
	आई० ओ० सी०	2	..	1	1	..	4
उत्तर प्रदेश	बी० पी० सी०	2	2	..	..	..	4
	आई० ओ० सी०	2	4	..	2	2	10
तमिल नाडु	आई० ओ० सी०	3	2	..	1	1	7

1	2	3	4	5	6	7	8
पश्चिम बंगाल	आई० ओ० सी०	2	2	..	..	1	5
असम	आई० ओ० सी०	1	..	1	..	..	2
बिहार	आई० ओ० सी०	2	2	..	1	1	6
चण्डीगढ़	आई० ओ० सी०	1	..	..	..	..	1

बी० पी० सी०—भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन

आई० ओ० सी०—इंडियन आयल कार्पोरेशन

यू० ई० जी०—बेरोजगार इंजीनियर्स/स्नातक

एस० सी०—अनुसूचित जाति

एस० टी०—अनुसूचित जनजाति

डी० डी० पी०—युद्ध में अपंग हुए सुरक्षा कार्मिक/युद्ध में मारे गये सैनिकों की विधवाएं ।

पी० एच०—शारीरिक रूप से विकलांग ।

राजस्थान टैक्सटाइल्स हैंड प्रोसैसर्स एसोसिएशन से प्राप्त अभ्यावेदन

2973. श्री अशोक महलोत :

श्री नवल किशोर शर्मा :

क्या पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को मिट्टी के तेल का मूल्य 1382.23 रु० प्रति कि० लि० से बढ़ा कर 3282.23 रु० प्रति कि० लि० किये जाने के बारे में राजस्थान टैक्सटाइल्स हैंड प्रोसैसर्स एसोसिएशन पाली मारवाड़ से कोई अभ्यावेदन प्राप्त हुआ है;

(ख) यदि हां, तो सरकार द्वारा इन लघु उद्योगों को बचाने, जिनके बन्द हो जाने का खतरा है, के लिए क्या कार्यवाही की गई है; और

(ग) यदि कोई कार्यवाही नहीं की गई है, तो उस के क्या कारण हैं ?

पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री प्रकाश चन्द्र सेठी) : (क) जी, हां ।

(ख) और (ग) राजस्थान टैक्सटाइल्स हैंड प्रोसैसर्स एसोसिएशन से प्राप्त अभ्यावेदन विचाराधीन है इस पर शीघ्र ही निर्णय किया जायेगा ।

Engagement of a French firm to boost Bombay High Output

2974. SHRI B. D. SINGH:
SHRI K. MALLANNA:
PROF. AJIT KUMAR MEHTA:
SHRI RAJESH KUMAR SINGH:
SHRI INDRAJIT GUPTA:

Will the Minister of PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government propose to engage a French consultant firm to boost the Bombay High output by giving a share of the crude output to the French firm;